हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, मंगलवार, 25 नवंबर 2025

11 माल्यार्पण कर किया चौधरी छोटूराम को नमन

12 पक्षपाती जांच व रोके गए वेतन के विरोध में कनिष्ठ अभियंता...

खबर संक्षेप

बहादुरगढ़। गाड़ी का तोड़ा गया शीशा।

अस्पताल में गाड़ी का शीशा तोड़ा

बहादुरगढ़। नागरिक अस्पताल में खड़ी एक गाड़ी का शीशा तोड़ दिया गया। गाड़ी सरकारी है और खराब बताई जाती है। कई दिनों से यह शेड के नीचे खड़ी है। इसी बीच किसी अज्ञात ने गाड़ी का शीशा तोड़ दिया गया। इस संबंध में अस्पताल के कर्मचारी भी स्पष्ट नहीं है कि शीशा कब टूटा।

बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों की सुनवाई आज

झज्जर। उपभोक्ताओं की बिजली संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम द्वारा अधीक्षण अभियंता कार्यालय में मंगलवार बिजली अदालत व उपभोक्ता कष्ट निवारण फोरम की बैठक का आयोजन किया जाएगा। प्रवक्ता ने बताया कि सुबह 11 बजे से एक बजे तक बिजली अदालत व 11 बजे से 2 बजे तक उपभोक्ता कष्ट निवारण फोरम का आयोजन होगा। यह अदालत फोरम के चेयरमैन एवं बिजली निगम के अधीक्षण अभियंता ऑप्रेशन सर्कल झज्जर की अध्यक्षता में होगी। इस दौरान बिजली बिल, कनेक्शन और अन्य तकनीकी समस्याओं से जुड़े परिवादों की समीक्षा की जाएगी।

वीडियो वायरल होने पर महिला ने निगला जहर

बहादुरगढ़। इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो फुटेज वायरल होने के बाद महिला ने संदिग्ध परिस्थिति में कोई कीटनाशक पदार्थ निगल लिया। जिससे उसकी कुछ देर के लिए तबीयत बिगड़ गई। हालांकि उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई। उसकी हालत सामान्य बताई जा रही है। यह घटनाक्रम सोमवार की दोपहर का है। दरअसल, सुनील नाम के एक फेसबुक अकाउंट पर करीब पांच मिनट की वीडियो फुटेज अपलोड है। उस वीडियो में महिला की निजी बातों का जिक्र हैं। वीडियो वायरल हुई तो महिला ने कीटनाशक निगल लिया। बता दें कि जिस अकाउंट पर वीडियो अपलोड है, वह जाखोदा निवासी कर्मजीत की हत्या के मामले में आरोपी है।

लूट के मामलों में फुटेज खंगाल रही पुलिस

बहादुरगढ़। सब्जी मंडी और बामड़ोली मोड़ के निकट हुई लूट की वारदात सुलझाने के लिए पुलिस की कई टीमें भागदौड़ कर रही हैं। लेकिन अभी तक दोनों मामलों आरोपियों तक पुलिस नहीं पहुंच सकी है। हालांकि जल्द ही वारदात सुलझाने की बात कही जा रही है। झारखंड का निवासी त्रिभुवन यहां बामड़ोली मोड़ स्थित एक फैक्ट्री में नौकरी करता है। रविवार की सुबह वह फैक्ट्री में था। इसी दौरान एक युवक दीवार फांदकर अंदर घुसा और पिस्तौल तानकर उससे मोबाइल छीन लिया। इसके बाद अपने स्कूटी सवार दोस्त के साथ फरार हो गया। वहीं, इससे पहले शनिवार की रात दोपहर को झज्जर रोड पर प्रवासी धर्मेंद्र के साथ वारदात हुई। दो शातिर युवकों ने बातों में उलझाकर उससे मोबाइल व सोने का लॉकेट लिया। फिर कुछ सामान थमा कर चंपत हो गए। दोनों ही मामलों में लाइनपार थाना और सिटी थाना पुलिस कार्रवाई कर रही हैं। वारदात स्थल के आसपास सीसीटीवी फुटेज चेक की जा रही हैं। लेकिन कुछ सुराग नहीं लग पाया है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही मामलों को सुलझाया जाएगा।

शंकर गार्डन स्थित जिम में रंजिश के चलते वारदात

सिर में रॉड मारकर युवक की हत्या

लाइनपार स्थित जिम संचालक पर हत्या का केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। जिम परिसर में मौजूद लोग व जिम में जांच करती पुलिस। फोटो : हरिभूमि

लाइनपार स्थित एक जिम में व्यक्ति की हत्या कर दी गई। सिर पर लोहे की रॉड या किसी भारी वस्तु के प्रहार से उसे मौत के घाट उतारा गया है। जिम संचालक पर ही हत्या का आरोप है। हाल ही में हुई कहासुनी की रंजिश में हत्या करने की बात सामने आई है। हालांकि असल पुष्टि आरोपी की गिरफ्तारी के बाद हो सकेगी। लाइनपार थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मृतक की पहचान करीब 40 वर्षीय कर्मजीत दलाल के रूप में हुई है। कर्मजीत बहादुरगढ़ के गांव जाखोदा का रहने वाला था। दो बच्चों का पिता कर्मजीत खेतीबाड़ी व प्रॉपर्टी डीलिंग करता था। जाखोदा मूल के सुनील के साथ उसकी जानकारी थी। सुनील जोवल फिलहाल यहां लाइनपार के शंकर गार्डन में रहता है। अपने मकान के ऊपर उसने जोवल हेल्थ क्लब नाम से जिम बना रखा है। पिछले करीब डेढ़ साल से कर्मजीत यहां जिम में अभ्यास करने आता था। सोमवार की सुबह भी वह अपने बेटे को डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में छोड़कर जिम में आ गया। इसी दौरान वह वारदात का शिकार हो गया।

उधर, कर्मजीत के घर न लौटने पर परिजनों लगातार उसको कॉल कर रहे थे और इधर जिम में उसकी तड़प तड़प कर जान जा चुकी थी। इसी बीच कोई शख्स जिम में आया तो उसकी नजर कर्मजीत पर गई। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पाकर लाइनपार थाना, सीआईए आदि टीमें मौके पर पहुंची। एसीपी प्रदीप नैन ने भी मौके का दौरा किया और फॉरेंसिक टीम बुलाई गई। कर्मजीत के सिर व चेहरे पर चोट का गहरा निशान था। आसपास काफी खून फैला हुआ था।

दो-तीन दिन पहले सुनील के साथ कर्मजीत की हुई थी कहासुनी

संभवतः लोहे की रॉड या किसी बाहरी वस्तु उसके सिर पर लगातार प्रहार किए गए। पुलिस ने शव को नागरिक अस्पताल में रखवाकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कराई। बताते हैं कि सोमवार को जिम की छुट्टी की गई थी और आरोपी के परिवार के सदस्य भी घर पर नहीं थे। वारदात के दौरान जिम के अंदर लगे कैमरे भी बंद बताए गए हैं। संभवतः योजनाबद्ध तरीके से भी वारदात की आशंका को इंकार नहीं किया जा सकता। पुलिस को दी शिकायत में बड़े भाई नीरज ने कहा है कि हमें गांव के निवासी संजय से सूचना मिली थी। जिम में आए तो भाई कर्मजीत खून से लथपथ था। दरअसल, दो-तीन दिन पहले सुनील के साथ कर्मजीत की कहासुनी हुई थी। अंदेशा है कि उसी रंजिश में सुनील ने अपने साथियों संग मिलकर कर्मजीत की हत्या की। बहरहाल, पुलिस ने हत्या की धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सुनील के साथ वारदात में कोई शामिल था या नहीं, इसका खुलासा आरोपी की गिरफ्तारी के बाद हो सकेगा।

बहादुरगढ़। मृतक के परिचितों से बातचीत करती पुलिस। फोटो : हरिभूमि

फतेहपुर में गर्दन काटकर युवक की हत्या

बहादुरगढ़। बादली थाना क्षेत्र के गांव फतेहपुर में तेजधार हथियार से गर्दन काटकर एक युवक की हत्या कर दी गई। किसी महिला से ताल्लुकात के चलते युवक को मौत के घाट उतारने की बात सामने आई है। महिला के पति सहित अन्य आरोपियों पर बादली थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सोमवार की सुबह युवक का शव गांव के एक पार्क में मिला। दरअसल, सुबह जब लोग पार्क में आए तो उनकी नजर शव पर गई। गर्दन काफी हद तक कटी हुई थी व अन्य हिस्सों पर भी चोट के निशान थे। आसपास काफी मात्रा में खून बहा हुआ था। उधर, सूचना पाकर बादली थाने से पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। आसपास पूछताछ करने पर मृतक की पहचान हो गई। मृतक करीब 26 वर्षीय अजीत चरखी दादरी के धनसरी गांव का रहने वाला था। जानकारी के अनुसार, करीब एक साल से वह याकूपुर स्थित ब्लिंकिट के वेयरहाउस में काम करता था। यहां फतेहपुर में किराये पर रह रहा था। रविवार की रात को वह अपने कमरे से निकला था लेकिन इसके बाद वापस नहीं लौटा। अजीत के भाई भाभी भी उसके साथ यहां गांव में रहते हैं। परिजनों के बयान के बाद पुलिस ने आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले में सामने आया है कि मृतक अजीत के गांव का सोमबीर भी यहीं उनके नजदीक रहता है। सोमबीर की पत्नी के साथ अजीत का संपर्क था। बड़े भाई अजय ने आरोप लगाया है कि सोमबीर ने अपने साथियों व पत्नी के साथ मिलकर मेरे भाई अजीत को मौत के घाट उतारा है। वहीं, जांच अधिकारी जयकरण सिंह ने कहा कि हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर वारदात सुलझाई जाएगी।

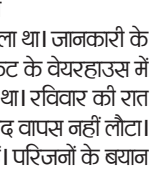

कई दिनों से एक्यूआई में उतार चढ़ाव जारी, हालात गंभीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

शहर में वायु की गुणवत्ता लगातार चिंता का विषय बनी हुई है। पिछले कई दिनों से एक्यूआई में भारी उतार-चढ़ाव रिकॉर्ड किया जा रहा है। इससे साफ है कि प्रदूषण नियंत्रण के प्रयास या तो नाकाफी हैं या फिर प्रभावी तरीके से लागू नहीं हो रहे। वायु गुणवत्ता सूचकांक शनिवार को 292, रविवार को 392 और सोमवार को 298 रिकॉर्ड किया गया।

यह आंकड़े बताते हैं कि बहादुरगढ़ की हवा बहुत खराब श्रेणी में बनी हुई है। यह खराब हवा आम लोगों, खासकर बुजुर्गों, बच्चों, गर्भवती महिलाओं और अस्थमा व सांस संबंधी बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के लिए बेहद हानिकारक है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर में निर्माण सामग्री की खुले में ढुलाई, पुराने वाहन, औद्योगिक धुएं और नगर की सीमाओं पर कूड़ा-कचरा जलाए जाने की वजह से हवा जहरीली होती जा रही है। वायु की खराब स्थिति के चलते सुबह-शाम की ठंडक में स्मॉग की परत साफ नजर आ रही है। विशेषज्ञों ने लोगों को बाहर निकलते समय मास्क पहनने, बच्चों और सीनियर सिटीजनों को सुबह की सैर बंद करने तथा एयर प्यूरिफायर और पौधों के उपयोग की सलाह दी है। वहीं, नागरिकों ने प्रशासन से सख्त कार्रवाई और ठोस कदम उठाए जाने की मांग की है। यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में बहादुरगढ़ की हवा और ज्यादा खतरनाक स्तर पर पहुंच सकती है।

वायु गुणवत्ता सूचकांक शनिवार को 292, रविवार को 392 और सोमवार को 298 रिकॉर्ड किया

लाइनपार में अवैध कॉलोनी पर चली नप की जेसीबी

नगर परिषद ने बराही रोड स्थित विकास नगर क्षेत्र में दर्जनभर चारदीवारियां तोड़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

नगर परिषद बहादुरगढ़ की टीम ने सोमवार को बराही रोड पर विकास नगर क्षेत्र में अवैध निर्माणों पर बड़ी कार्रवाई की। करीब साढ़े 3 एकड़ क्षेत्र में फैली इस अवैध कॉलोनी में कार्रवाई के दौरान टीम ने दर्जनभर चारदीवारियों को तोड़ दिया।

नगर परिषद सचिव प्रवीण छिकारा, एमई जोगेंद्र सिंधु और बीआई विवेक जैन के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया। अधिकारियों के अनुसार यह निर्माण बिना अनुमति और नियमों के विरुद्ध किए जा रहे थे, जिसके चलते कार्रवाई करना आवश्यक था। नगर परिषद टीम मौके पर पुलिस बल के साथ पहुंची और कार्रवाई के दौरान किसी भी प्रकार का विरोध नहीं हुआ। अधिकारियों ने बताया कि शहर में अवैध कॉलोनियों, गैरकानूनी निर्माण और अतिक्रमण के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। पिछले दिनों मामन विहार इलाके में भी ऐसे ही अवैध रूप से पनप रही अवैध कॉलोनी में नगर परिषद का पीला पंजा चला था। नप सचिव प्रवीण छिकारा ने चेतावनी देते हुए कहा कि बिना नक्शा पास कराए किसी भी तरह का निर्माण न किया जाए, वरना आगे भी सख्त कार्रवाई होगी। नगर परिषद की इस कार्रवाई से अवैध कॉलोनी विकसित करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है।

बहादुरगढ़। विकास नगर के निकट अवैध निर्माण ढहाती नप की जेसीबी। फोटो : हरिभूमि

चौथी बार जिला प्रधान बने राजेंद्र तुषामड

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर सोमवार को सफाई कर्मचारी यूनियन की जिला कमेटी का चुनाव कराया गया। नगर पालिका के पुराने भवन में आयोजित कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य कोषाध्यक्ष महेंद्र सिंगेलिया, राज्य संगठनकर्ता राजपाल व सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान रामबीर की अध्यक्षता में सर्व सम्मत्ति से संपन्न चुनाव कराए गए। सर्व सम्मत्ति से हुए चुनावों में राजेंद्र तुषामड को चौथी बार जिला प्रधान की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इसके अलावा राजेश बालगुहेर को वरिष्ठ उपप्रधान, गौरव कुमार को सचिव, मनीष व सुनीता को उपप्रधान, बेरी से प्रदीप को कोषाध्यक्ष, जयभगवान को सह सचिव, मुकेश को सलाहकार, संदीप टाक को ऑडिटर, विकास उज्जैनवाल को प्रचार सचिव, धर्मवीर को संगठन सचिव व सोनू, विनोद कुमार, पिंकी को सदस्य मनोनीत किया गया। चुनाव के बाद नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने मौजूदा कर्मचारियों को आश्वासन दिया किया कि जो जिम्मेवारी उन्हें सौंपी गई है वे उस पर खरा उतरेंगे तथा कर्मचारियों की मांगों व समस्याओं के समाधान का पुरजोर प्रयास करेंगे।

झज्जर। पद एवं गोपनीयता की शपथ लेते हुए नवनियुक्त पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

निजी बस चालकों की मनमानी पर अंकुश लगाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

हाइवे पर आसौदा मोड़ के निकट रविवार की शाम को निजी बस पलटने से कई लोग घायल हो गए। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। इससे पहले भी इलाके में कई बार निजी सवारी वाहन पलटने से बड़े हादसे हो चुके हैं। इन हादसों के लिए लोगों ने कहीं हद तक निजी बस चालकों की मनमानी को भी जिम्मेदार ठहराया है। परिवहन निगम व पुलिस से इस दिशा में संज्ञान लेकर मनमानी रोकने की मांग भी उठाई है। दैनिक यात्री सतपाल ने कहा कि रोहतक-दिल्ली मार्ग सहित अन्य रूटों पर बड़ी संख्या में निजी बसें चलती हैं। इन बहुत सी बसों में यात्रियों की सुरक्षा का ख्याल नहीं रखा जाता। क्षमता से अधिक सवारी ठूंस-ठूंस कर भर ली जाती है। यात्रियों को दिक्कतें होती हैं। गति भी तेज रहती है और मोड़ों पर अचानक कटाई कर दी जाती है। जिससे हादसे हो जाते हैं।

निजी बसों में सवारियों को सरकार की ओर से दी जाने वाली रियायतों का भी नहीं मिलता लाभ

बहादुरगढ़ इलाके में कई बार निजी बसों के एक्सीडेंट हो चुके हैं। वहीं, नवीन ने कहा कि निजी बसों में सवारियों को सरकार की ओर से दी जाने वाली रियायतों का भी लाभ नहीं मिलता। अक्सर छात्र पास व सुविधा को लेकर बस कंडक्टर, चालकों के साथ विवाद होते देखे जाते हैं। मोहित ने कहा कि निजी बसों में छुट्टे पैसों को लेकर भी अनियमितताएं देखने को मिलती है। इसके अलावा कहीं भी बस रोक दी जाती है, जिससे अव्यवस्था पैदा होती है। संबंधित विभाग को इस तरफ ध्यान देना चाहिए।

परिवहन समिति व निजी स्कूलों की 45 और रोडवेज की 57 बसें शामिल

पीएम कार्यक्रम को लेकर जिलेभर से 102 बसें होगी रवाना

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

गुरू तेग बहादुर जी के 350वें बलिदान दिवस और जयंती पर मंगलवार को कुरुक्षेत्र में होने वाले राज्यस्तरीय कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रशासनिक स्तर पर पूरी तैयारियां कर ली गई है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे। इसके लिए श्रद्धालुओं और भाजपाईयों में भारी उत्साह है। मंगलवार को जिले भर से 102 बसें श्रद्धालुओं और कार्यकर्ताओं को लेकर रवाना होगी। जिसमें रोडवेज की 57 और परिवहन समिति और निजी स्कूलों की 45 बसें शामिल है। झज्जर डिपो प्रधान विजय माजरा ने बताया कि झज्जर ब्लॉक से 12, बादली से 10, बहादुरगढ़ से 18, बेरी से 14, माछरौली से सात, मातनहेल से 12, साल्हावास से पांच, बहादुरगढ़ एमसी 15, झज्जर एमसी से सात और बेरी एमसी से दो बसें शामिल है। शहर के वार्ड नंबर तीन स्थित पंचायती गुरूद्वारा समिति सदस्य विनीत पोपली ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है और श्रद्धालु पूरे जोश, उत्साह के साथ सुबह कुरूक्षेत्र के लिए रवाना होंगे।

झज्जर। बस स्टैंड परिसर में बस में सवार होते हुए यात्री। (फाइल फोटो)

यात्रियों को हो सकती परेशानी

राज्यस्तरीय कार्यक्रम में रोडवेज और परिवहन समिति की बसें जाने पर यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए आवश्यक है कि यात्री अगर कोई जरूरी कार्य होने पर ही घर से बाहर निकले। हालांकि रोडवेज प्रबंधन की ओर से यात्रियों को परेशानी ना हो, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था किए जाने की बात भी कही जा रही है।

बहादुरगढ़। मंडल भाजपा की बैठक में चर्चा करते पदाधिकारी व कार्यकर्ता।

कुरुक्षेत्र जाने को लेकर भाजपाइयों ने की चर्चा

बहादुरगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंगलवार 25 नवंबर को कुरुक्षेत्र में होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सोमवार को भाजपा नेता दिनेश कौशिक की अध्यक्षता में शहरी मंडल की महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें कार्यक्रम से जुड़ी व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में मार्केट कमेटी के चेयरमैन विनोद कौशिक और बीएलए वन विराग परस्थी विशेष तौर पर उपस्थित रहे। दिनेश कौशिक ने कहा कि बहादुरगढ़ से भारी संख्या में लोग कुरूक्षेत्र में होने वाले कार्यक्रम में शामिल होंगे। मंडलों को लक्ष्य और जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं। यह आयोजन ऐतिहासिक बनने जा रहा है। बैठक में कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई। भाजपा कार्यकर्ता इसे यादगार बनाने के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। बैठक में शहरी मंडल अध्यक्ष संजय सैनी, महामंत्री रमेश आर्य, पूर्व मंडल अध्यक्ष ऋषि भारद्वाज, चेयरपर्सन प्रतिनिधि रमेश राठी, महामंत्री आशू सैनी व पार्षद सत्यप्रकाश छिकारा आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि
रोहतक,मंगलवार
25 नवंबर 2025

सहेली

किसी पर भी ऐसी बड़ी विपदा आ सकती है कि वह टूट जाए, जीवन में एकदम अकेला हो जाए। अगर वह स्त्री है तो उसके जीवन का संकट और गहरा हो जाता है। ऐसी स्थिति में समझदारी के साथ धैर्य और साहस से काम लिया जाए तो हम बड़े से बड़े संकट से उबर सकते हैं। आशा की नई किरणों से जीवन में छाए अंधेरे को छांटकर, खूबसूरत जिंदगी जी सकते हैं।

अकेले हैं तो क्या गम है नजरिया बदलें और खुश रहें

कवर स्टोरी
प्रतिभा अग्निहोत्री

अपने इकलौते युवा बेटे को एक दुर्घटना में खोने से गीता बहुत दिनों तक अपसेट रहीं, लेकिन फिर उन्होंने अपने आपको संभाला। अब वह जिंदादिली से अपना जीवन जी रही हैं। छोटे-बड़े किसी भी समारोह में पहुंचकर वह अपने मधुर स्वभाव से वहां का वातावरण खुशनुमा बना देती हैं, उनसे मिलकर हर इंसान सकारात्मकता से भर उठता है। गीता बताती हैं, 'पति के देहांत के बाद बेटा ही एकमात्र सहारा था। एक पल को ऐसा लगा था, मानो अब सब कुछ खत्म हो गया। अपने दुखों के बारे में सो च ते - सो च ते कभी-कभी तो मुझे इतना तनाव हो जाता था कि रात में नींद नहीं आती थी। खाना नहीं बनाती थी और यदि किसी तरह बन गया तो खाने की इच्छा ही नहीं होती थी। इसी तरह दिन गुजर रहे थे, फिर एक दिन लगा कि इंसान का जन्म बहुत मुश्किल से मिलता है। और एक मैं हूं कि अपनी इस जिंदगी को यूं ही बर्बाद किए जा रही हूं। इस तरह तो एक दिन बीमार होकर बेड पर आ जाऊंगीं फिर क्या होगा? बस उस दिन से दुःख, अवसाद और तनाव को हटाकर मैं यथार्थ में आ गई। लगा कि अभी तो बहुत कुछ करना शेष है, और उसी दिन से मेरा जीवन को देखने का नजरिया ही बदल गया।

तनाव को ना हावी होने दें: वास्तव में अकेलापन कोई समस्या नहीं है बल्कि हमारे ही नकारात्मक विचारों से उत्सर्जित तरंगों द्वारा निर्मित एक अहसास, मनोभाव और विचार है। काउंसलर कीर्ति वर्मा कहती हैं, 'अवसाद की शुरुआत तनाव से होती है। जब यह तनाव निरंतर मन-मस्तिष्क पर हावी रहता है तो इंसान अकेलेपन का शिकार हो जाता है। यह स्थिति लंबे समय तक रहती है तो फिर इंसान अवसाद में आ जाता है। इसलिए जरूरी है कि हम खुद पर अकेलेपन को हावी नहीं होने दें।'

वेबएमडी के एक सर्वे के अनुसार अकेलेपन के कारण 26 प्रतिशत तक समय पूर्व मृत्यु की और 32 प्रतिशत स्ट्रोक की आशंका बढ़ जाती है। इसलिए आवश्यक है कि जैसे ही यह खालीपन आपके मन-मस्तिष्क में जगह बनाने लगे तो सचेत होकर स्वयं को सकारात्मक दिशा में लगा दें ताकि समस्या और अधिक गंभीर न हो।

दोस्तों और परिवार से मिलें: मनोवैज्ञानिकों के अनुसार दोस्तों और परिवार के सदस्यों से मिलना-जुलना बेहद जरूरी है। जब हम अपने प्रियजनों और इष्टमित्रों से मिलते हैं तो डोपामाइन हार्मोन रिलीज होता है, जो हमारे विचारों में सकारात्मकता का समावेश करता है, इसलिए जब भी समय मिले, अपने परिवार और दोस्तों के साथ समय अवश्य बिताएं। अपनी सखियों के साथ घूमने जाएं, उन्हें भोजन पर बुलाएं, गेम खेलें परंतु केवल उन्हीं दोस्तों के साथ, जिनसे मिलकर आपको खुशी मिलती हो।

नजरिया हो सकारात्मक: जब भी अकेलेपन के तनाव के कारण अवसाद में जाने लगें तो जीवन को देखने का नजरिया बदलें। अपनी ही स्थिति पर हरदम दुःखी होते रहने की अपेक्षा अपने से कमतर लोगों को देखें, आप पाएंगी कि आपसे अधिक सुखी इस संसार में कोई दूसरा नहीं है। सुखी इंसान सौ प्रतिशत वही है, जो हाथ-पैर और दिलो-दिमाग से पूरी तरह फिट है। हमें यह समझना चाहिए कि सुख-दुख जीवन के दो पहलू हैं, जिसमें कभी एक पहलू कमजोर होता है तो कभी दूसरा।

नकारात्मक लोगों से बनाएं दूरी: नकारात्मकता जहां आपके सोचने-समझने की शक्ति को क्षीण करके मन-मस्तिष्क को तनावग्रस्त करती है, वहीं सकारात्मकता असीम ऊर्जा का संचार करके मनुष्य की रचनात्मक शक्ति में वृद्धि करती है। इसके लिए आवश्यक है कि आप नकारात्मक लोगों से दूर रहें, क्योंकि ये लोग निराशा से भरे होते हैं, अपने निराशा भरे विचार आपके पास छोड़ते हैं, जिससे आप भी प्रभावित होती हैं। गृहिणी अनीता कहती हैं, 'मैं नेगेटिव लोगों से दो फुट की दूरी बनाकर रखती हूं, क्योंकि ऐसे लोग जब भी मिलते हैं, मेरे अच्छे खासे दिमाग में अपना कचरा छोड़ जाते हैं, जिससे जीवन में रुकावटें आती हैं।'

छोटी-छोटी खुशियों को सेलिब्रेट करें: जीवन के प्रति सदैव सकारात्मकता से भरपूर रहने वाली अनुभा कहती हैं, 'मेरे लिए हर नया दिन एक उत्सव जैसा होता है। अपनी मीटिंग के सफल हो जाने पर मनचाही मूवी देख लेने पर, दी गई समय सीमा में कार्य पूर्ण हो जाने पर या सप्ताहांत का अवकाश, मुझे असीम खुशी देता है, क्योंकि मेरी नजर में खुश होना या खुशी मनाना एक अहसास है, जिसके लिए किसी बड़ी घटना, कार्य या बहुत पैसे का होना जरूरी नहीं है।'

खुशी देना सीखें: किसी सहेली की कोई रेसिपी या पेंटिंग, सिंगिंग की तारीफ या किसी के विवाह, जन्मदिन की वर्षगांठ पर मैसेज के स्थान पर फोन कॉल करके बधाई देना, आपको सकारात्मकता से भर देगा। किसी भूखे को खाना खिलाना, गार्ड या मेड को गरमा-गरम चाय पिलाने से उसके चेहरे पर आई खुशी आपको ऊर्जा से भर देगी।

जीवन को सरलतम तरीके से जिएं: कुछ लोग बेवजह का अहंकार पालकर अपने जीवन को दुरुह बना लेते हैं। इसकी अपेक्षा आप जीवन को जितने सरल तरीके से जिएंगी, जीवन आपको उतना ही खूबसूरत लगेगा। अपने एकाकी जीवन में अपनी सोच में बदलाव लाकर, उसे सकारात्मक बनाकर आप अपने बेशकीमती जीवन को खूबसूरत बना सकती हैं।

फिट रहना है जरूरी

हम सदियों से सुनते आए हैं, निरोगी काया इस जीवन का सबसे बड़ा सुख है। इसके लिए आवश्यक है कि आप प्रतिदिन कम से कम 40 मिनट स्वयं को दें। इस अवधि में आप इच्छानुसार वॉकिंग, जिमिंग, योगा अथवा व्यायाम करें।

आहार हो पौष्टिक

अकसर देखा जाता है कि अकेला इंसान अपने लिए भोजन बनाने में आलस्य करता है या एक टाइम बनाकर दो या तीन टाइम तक बासी खाना खाता है। ऐसा करने की अपेक्षा हरदम पौष्टिक और ताजा भोजन खाने का प्रयास करें।

बच्चों को ना रखें डरा-धमका कर

कुछ पैरेंट्स अपने बच्चों को बहुत डरा-धमकाकर रखते हैं। इससे वे डरे-सहमे रहते हैं। उनके व्यक्तित्व का विकास बाधित होता है। पैरेंट्स बच्चों की परवरिश में किन बातों का ध्यान रखें कि वे दब्बू ना बनकर निर्भीक-साहसी बनें और सफल हों।

परवरिश
रेखा शाह आरबी

अकसर यह देखा जाता है, जब कभी छोटे बच्चे ज्यादा तंग-परेशान करते हैं तो पैरेंट्स यह कहकर उन्हें डराते हैं, 'चुपचाप सो जाओ, नहीं तो भूत आकर ले जाएगा।' इस तरह अलग-अलग तरीकों से बच्चों को डराया जाता है। हमें यह समझना चाहिए, बच्चों का मन बहुत कोमल होता है, वे डर जाते हैं। उनके मन में हमेशा के लिए भय का बीजारोपण हो जाता है। पैरेंट्स को यह अनुमान ही नहीं होता कि बच्चे के भीतर बचपन में एक डर समा रहा है। पैरेंट्स अलग-अलग डर से बच्चों को डराते हैं। ऐसा करना गलत है, उनके व्यक्तित्व विकास में बाधक है।

जीवन भर रहता है प्रभाव: हम सब जीवन भर किसी न किसी डर का सामना करते रहते हैं। ऐसा कोई भी नहीं है, जो किसी बात से डरता ना हो। कभी-कभी हमारे जीवन में ऐसे अनेक अवसर आते हैं कि हम अपने जीवन में बहुत आगे बढ़ सकते हैं, लेकिन अपने डर के कारण हम उन मौकों को गंवा देते हैं। बाद में जब उसी काम को करके दूसरों को सफल होते देखते हैं तो सोचते हैं, 'काश! हमने भी यह प्रयास किया होता।' यह 'काश' की नींव हमारे बचपन में हमारे पैरेंट्स रखते हैं, मतलब हम सफल होंगे या असफल।

पैरेंट्स से सीखता है डरना: हमें याद रखना चाहिए कि जब हम जन्म लेते हैं तो हमारे भीतर किसी वस्तु या स्थान के प्रति कोई भय नहीं होता है। एक छोटा बच्चा मात्र दो चीजों से डरता है- एक तेज आवाज और दूसरे नीचे गिरने से। बाकी दुनिया के सारे डर बच्चा अपने भाई-बहनों और माता-पिता से सीखता है। जब भी कोई शिशु नई वस्तु या किसी नई परिस्थिति में पड़ता है तो पैरेंट्स की तरफ देखता है। जब वह पैरेंट्स को भयभीत देखता है तो वह भी सहम जाता है। यदि निडर देखता है तो वह भी निडरता का व्यवहार करने लगता है। आप एक शिशु के सामने कोई खूंखार जानवर खड़ा कर दीजिए, वह भयभीत नहीं होगा। क्योंकि उसे नहीं मालूम कि वह खतरनाक है या नहीं। वह उस खूंखार जानवर के साथ अपने माता-पिता के व्यवहार को ऑब्जर्व करता है। यदि माता-पिता डरते हैं तो वह भी डरता है, यदि नहीं डरते हैं तो बच्चा भी नहीं डरता है। दुनिया भर के डर, बच्चों को अपने माता-पिता और परिजनों द्वारा मिलते हैं। हम कई बार अपने अनुचित डर के कारण भी पिछड़ते और कुंठित होते चले जाते हैं। यानी बच्चों को सारे डर अपने परिवार से ही मिलते हैं। निडरता और साहस भी अपने परिवार से मिलता है। अगर बचपन से ही बच्चों पर ध्यान दिया जाए, उन्हें गैर जरूरी चीजों से डराया ना जाए तो उनका ज्यादा बेहतर तरीके से विकास होगा। इसलिए जरूरी है, बच्चे डरकर नहीं रहें, खुलकर बोलें और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करें, ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो।

बात-बात पर डांटने का पड़ता है बुरा असर

कुछ बच्चों को अपनी बात किसी के सामने निर्भय होकर रखने में एक डर लगता है। बच्चा यही सोचता है कि सामने वाला उसके बारे में क्या सोचेगा? इस तरह वह खुलकर कभी बोल ही नहीं पाता। यह एक सामाजिक डर है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि बचपन में कई बार पैरेंट्स बच्चों को डांट कर चुप कराते रहते हैं। उन्हें उनकी मन की बात नहीं कहने देते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि आगे चलकर बच्चा किसी के सामने कोई बात कहने में संकोच करता है। अपनी बात खुलकर कभी नहीं कह पाता।

स्पेशल: इंटरनेशनल-डे फॉर द एलिमिनेशन ऑफ वॉयलेंस अगेंस्ट वुमेन, 25 नवंबर

देश-दुनिया में आज भी महिलाओं के प्रति समाज का नजरिया प्राय: अमानवीय बना हुआ है। उनके विरुद्ध शारीरिक-मानसिक हिंसा होती ही रहती है। आज का दिन स्त्रियों के विरुद्ध होने वाली हर तरह की हिंसा के उन्मूलन को लेकर जागरूकता लाने से जुड़ा है। ऐसे में हर किसी को अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

महिलाओं के विरुद्ध हिंसा मिले अपनों का साथ

मुद्दा
डॉ. मोनिका शर्मा

हर वर्ष मनाया जाने वाला 'इंटरनेशनल-डे फॉर द एलिमिनेशन ऑफ वॉयलेंस अगेंस्ट वुमेन', स्त्रियों के विरुद्ध होने वाली हिंसा के उन्मूलन को लेकर जागरूकता लाने से जुड़ा है। महिलाओं के खिलाफ वॉयलेंस को रोकने और जेंडर आधारित हिंसा के खिलाफ कार्रवाई का आह्वान करने के लिए इस दिन दुनिया भर में सजगता लाने के प्रयास किए जाते हैं। हर जगह स्त्रियों के साथ समान और सम्मानजनक व्यवहार करने के भाव को बल देने से जुड़ी कोशिशें की जाती हैं। गौरतलब है कि हर साल 25 नवंबर से शुरू हुई जागरूकता लाने वाली यह मुहिम भी सोलह दिन तक चलती है। वॉयलेंस अगेंस्ट वुमेन को लेकर सजगता लाने, संवेदनशील सोच को बढ़ावा देने और हिंसा खत्म करने वाली 16 दिनों की यह मुहिम 10 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के साथ समाप्त होती है।

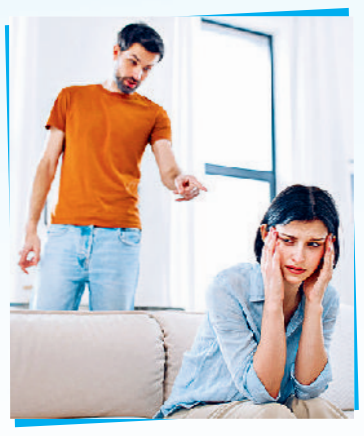

घर-परिवार में मिले सपोर्ट: महिलाओं के आत्मसम्मान को चोट पहुंचाने वाले हिंसक व्यवहार पर लगाम लगाने के लिए समाज में संवेदनाएं पोषित करने का प्रयास किया जाता है। हिंसा की शिकार हर महिला को अपनों का साथ मिले तो स्थितियां बदल सकती हैं।

ना बनाएं उपहास का विषय : घर में किसी महिला के साथ होने वाला हिंसक बर्ताव, मजाक का विषय नहीं होता। देखने में आता है कि कई घरों में पीड़ादायी हरकतें, अपनों के लिए एक आम-सी बात बन जाती है। 'आज फिर?', 'अरे! उसने फिर तुम पर हाथ उठाया क्या?', 'अरे हमेशा रोने की आदत है रे तुम्हें तो।' जैसे शब्दों-वाक्यों के संग हंसकर टाल दिया जाने वाला बर्ताव मान लिया जाता है। सवाल यह है कि अपने ही स्त्रीमन की पीड़ा को नहीं समझेंगे तो हालात बदलेंगे कैसे? यह दुर्व्यवहार सीधे-सीधे एक स्त्री के मानवाधिकार का हनन है। इंसान होने के नाते मान के साथ जीने के अधिकार पर किया जाने वाला हमला है। इसे भी गंभीरता से लिया जाना आवश्यक है।

बढ़ावा बिल्कुल ना दें: यह एक कड़वा सच है कि कई घरों में महिलाओं के अपने ही उनके खिलाफ हिंसा को बढ़ावा देते हैं। कई परिवारों में शारीरिक हिंसा भले न की जाए, साइकोलॉजिकली महिलाओं को खूब प्रताड़ित किया जाता है। हमारे यहां बेटे के नकारात्मक व्यवहार पर पर्दा डालने वाले सास-ससुर भी हैं और पति की प्रताड़ना झेलती बेटी की शिकायतों के बावजूद चुप रहने वाले माता-पिता भी। बहू-बेटियों के साथ होने वाले हिंसक बर्ताव को जाने-अनजाने बढ़ावा दिया जाता है।

पुरुषों की भूमिका हो सकती है अहम: भाई, पिता हों या ससुर, देवर, जेठ, ननदोई या फिर बेटे, घर-परिवार में किसी महिला के साथ होने वाली हिंसा का विरोध पुरुषों को करना चाहिए। ऐसे में सहज रूप से विरोध जताने से लेकर खुद हिंसा ना करने और हिंसा की शिकार किसी महिला की मदद करने तक, पुरुषों का रोल बेहद अहम हो सकता है। ऐसे प्रयास से इस दंश का खात्मा कोई मुश्किल काम नहीं है।

बहू-बेटी में ना करें फर्क

हमारे परिवेश में महिलाओं के खिलाफ होने वाली हिंसा में घरेलू हिंसा सबसे ऊपर है। इसके पीछे बहू और बेटी में फर्क करने की मानसिकता भी जिम्मेदार है। माता-पिता के घर में प्यार-मान पाने वाली बेटी का दूसरे घर की बहू बनते ही दोयम दर्जे के व्यवहार से सामना होता है। आज भी यह भेदभाव बहुत से घरों में कायम है। असल में घर के भीतर होने वाली हिंसा के लिए कोई एक वजह नहीं होती। बहुत से सामाजिक और पारंपरिक सोच से उपजे कारण इसके पीछे होते हैं।

स्किन केयर
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

सर्दियों में ऐसे करें पैरों की स्किन केयर

सर्दियां आते ही वातावरण में नमी की कमी की वजह से पैरों की त्वचा रूखी और बेजान लगने लगती है। इस दौरान पैरों की एड़ियां भी फटने लगती हैं या पैरों में खुजली और इरिटेशन होने लगती है। इसके कारण कई बार चलने में भी परेशानी होने लगती हैं। इससे बचाव के लिए पैरों की एक्स्ट्रा केयर करने की जरूरत होती है। इस मौसम में पैरों की देखभाल के लिए घरेलू उपाय काफी कारगर साबित हो सकते हैं।

स्किन रहेगी मॉयश्चराइज: अपने पैरों के प्रभावित एरिया और दरारों पर जैतून का तेल लगाने से त्वचा को पोषण मिलता है। इससे रूखेपन को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। जैतून के तेल को गुनगुना करके पैर के तलवों की मालिश करने से पैरों की अकड़न दूर होती है। आप एक बाउल में थोड़ा जैतून का तेल लेकर उसे हल्का गर्म करें। अब इसमें लैवेंडर एसेंशियल ऑयल की तीन-चार बूंदें मिक्स करें। इसके बाद इस ऑयल से अपने पैरों की मालिश करें। इससे आपको कुछ ही देर में आराम का अहसास होगा। जैतून ऑयल में विटामिन-ई होता है इसलिए इसे लगाने से आपके पैर मुलायम होंगे और आप रिलैक्स महसूस करेंगी। गर्म पानी में व्हाइट विनेगर डालें और फिर पांच मिनट के लिए पैरों को इसमें भिगोएं। अब आप जैतून के तेल की कुछ बूंदों को क्यूटिकल्स पर लगाएं और इसे लगभग 10 मिनट तक फिर पानी में भीगने दें। जैतून का तेल पैरों की त्वचा को मॉयश्चराइज रखने में मदद करता है। आप इस तेल को एक जेंटल मॉयश्चराइजर के रूप में भी उपयोग कर सकती हैं। यह उन्हें क्रैक होने से बचाता है और डेड स्किन साफ करता है।

स्किन ऐसे रहेगी सॉफ्ट: सर्दियों में पैरों की त्वचा को नरम बनाए रखने के लिए नहाते वक्त पैर धोने के लिए गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। लेकिन गर्म पानी का इस्तेमाल कतई न करें क्योंकि इससे पैर ड्राय हो सकते हैं, जिससे स्किन फट सकती है। गुनगुने पानी से ब्लड सर्कुलेशन सही रहता है।

मसाज करें: सोने से पहले पैरों की हल्के हाथ से मसाज करें। इसके लिए सरसों या नारियल तेल को एक कटोरे में गुनगुना कर लें। इस तेल से पंजों और पैर के बाकी हिस्सों की मालिश करें। इससे पैरों में ब्लड सर्कुलेशन तेज होगा, जिससे पैरों में गर्माहट आएगी और पैर सुंदर दिखेंगे। पैरों की देखभाल के लिए हाइड्रो थेरेपी भी लाभदायक साबित होती है। इसके लिए आपको पहले ठंडे पानी में पैरों को 2 मिनट तक डुबोकर रखना होगा। फिर पैरों को 1 मिनट के लिए गर्म पानी में डुबोना होगा। ऐसा ही 15-20 मिनट तक करती रहें। फिर पैरों को पानी से निकाल लें और तौलिए से अच्छी तरह पोंछ कर मोजे पहन लें।

जब एंग्जायटी सताए ऐसे करें बचाव

अलग-अलग वजहों से अनेक महिलाएं एंग्जायटी की शिकार हो जाती हैं। इससे बचाव के लिए आपको अपनी डाइट और लाइफस्टाइल में सुधार करना होगा। यहां आपको बता रहे हैं, इससे रिलेटेड बहुत ही यूजफुल सजेशंस।

सजेशन
निकिता चौहान

आजकल की भाग-दौड़ भरी लाइफस्टाइल में मानसिक तनाव एक सामान्य समस्या बन गई है। महिलाओं में यह समस्या काफी ज्यादा देखी जा रही है, क्योंकि वर्किंग महिलाएं हों या हाउसवाइफ, उनके पास घर और बाहर की दोहरी जिम्मेदारी होती हैं। इस वजह से कई महिलाएं एंग्जायटी, तनाव या चिंताग्रस्त रहने लगती हैं। इसके कारण उनकी रोजमर्रा की जिंदगी भी प्रभावित होने लगती है।

हो सकते हैं कई कारण: डॉक्टर्स के अनुसार महिलाओं में चिंता के कई कारण हो सकते हैं, जैसे- हार्मोनल बदलाव। पीरियड्स, प्रेग्नेंसी और मेनोपॉज के दौरान हार्मोनल बदलाव की वजह से यह समस्या और बढ़ जाती है। इसके अलावा, काम का दबाव, परिवार की जिम्मेदारियां और सामाजिक अपेक्षाएं भी तनाव को जन्म देती हैं। अगर आप या आपके परिवार या दोस्तों में कोई महिला बार-बार घबराहट, बेचैनी या तनाव महसूस करती है, तो उसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यह संकेत हो सकते हैं कि उन्हें मेंटल हेल्थ कंसल्टेशन की जरूरत है। ऐसे समय में तुरंत मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह लेना बहुत जरूरी है, क्योंकि सही डायग्नोसिस और उपचार से एंग्जायटी को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जा सकता है। इसलिए अपने और अपने संपर्क में रहने वाली महिलाओं की मानसिक स्थिति पर ध्यान दें, खुलकर उनसे बात करें, उन्हें सहारा दें और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से मदद लेने से ना हिचकिचाएं। इससे न केवल चिंताओं से मुक्ति मिलेगी, बल्कि खुशहाल जीवन जीने में मदद मिलेगी।

संतुलित आहार लें: ताजे फल, सब्जियां, दालें, नट्स, और साबुत अनाज से भरपूर आहार आपकी मानसिक सेहत के लिए लाभकारी हैं। विटामिन-बी कॉम्प्लेक्स, विटामिन-डी और मैग्नीशियम से भरपूर भोजन चिंता को कम करने में मदद करते हैं।

कैफीन-शक्कर का सेवन सीमित करें: अधिक कैफीन और शक्कर शरीर में एड्रेनलीन हॉर्मोन को बढ़ाते हैं, जिससे चिंता बढ़ सकती है।

ओमेगा-3 फैटी एसिड: मछली, अलसी, अखरोट में पाए जाने वाले ओमेगा-3 फैटी एसिड दिमाग की कार्यक्षमता सुधारते हैं और तनाव को कम करते हैं।

पर्याप्त पानी पिएं: डिहाइड्रेशन से मानसिक थकावट और चिंता बढ़ सकती है। इसलिए पानी खूब पिएं, नारियल पानी-जूस भी पिएं।

व्यायाम-योगाभ्यास: रोजाना 30 मिनट की हल्की-फुल्की एक्सरसाइज या योगाभ्यास करने से मानसिक तनाव कम होता है। रोज एक किलोमीटर की वॉक करें, यह एंग्जायटी रोकती है। साथ ही ध्यान, मानसिक स्थिति को शांत करता है और तनाव को कम करता है।

पर्याप्त नींद लें: नींद की कमी से भी चिंता और तनाव बढ़ता है, इसलिए डेली सात से आठ घंटे अच्छी नींद बहुत जरूरी है।

(क्लिनिकल डाइटीशियन-कंसल्टेंट न्यूट्रिशनिस्ट कनिका मल्होत्रा से बातचीत पर आधारित)

खबर संक्षेप

झज्जर। होनहार स्वीटी मलिक।

टूर द थार साइक्लिंग रेस में स्वीटी मलिक ने जीता सिल्वर मेडल

झज्जर। राजस्थान के बीकानेर में आयोजित टूर द थार, साइकिल रेस में जिले के गांव डीघल की बेटी साइकिलिस्ट स्वीटी मलिक ने सिल्वर मेडल जीत कर जिले व प्रदेश का नाम रोशन किया है। 100 किलोमीटर की इस साइक्लिंग रेस में पदक जीतने वाली स्वीटी मलिक को अवार्ड व मेडल से सम्मानित किया गया। बता दें कि साइकिलिस्ट स्वीटी मलिक पिछले कई वर्षों से साइक्लिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही है। पिछले साल भी उन्होंने कश्मीर से कन्याकुमारी तक की एशिया की सबसे लंबी रिले रेस सिल्वर मेडल जीता था।

युवाओं को किसानों के मसीहा चौधरी छोटूराम के जीवन से अवगत करवाया

माल्यार्पण कर किया चौधरी छोटूराम को नमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

क्षेत्र के गांव बरहाणा में चौधरी छोटूराम जयंती पर युवाओं ने गांव के चौधरी छोटूराम स्मारक पर पहुंच कर माल्यार्पण करते हुए उन्हें नमन किया। इस दौरान सब इंस्पेक्टर सुनील ने युवाओं को किसानों के मसीहा चौधरी छोटूराम के जीवन से अवगत कराते हुए उनके आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर वैद्य सुखीराम, डॉक्टर राज सिंह, संदीप कालोनिया, सतीश, मास्टर आशीष सहित अन्य भी उपस्थित रहे। बुजुर्ग वैद्य सुखीराम ने युवाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए बताया कि ग्रामवासियों के सहयोग से गांव में चौधरी छोटूराम लाइब्रेरी की शुरूआत की जिसमें करीब दो सौ विद्यार्थियों के बैठने की व्यवस्था है। गांव के अलावा क्षेत्र के सैंकड़ों विद्यार्थी युवा पिछले करीब दस माह से चल रही इस लाइब्रेरी पहुंच कर निःशुल्क लाभ उठा रहे हैं।

झज्जर। बरहाणा गांव में चौधरी छोटूराम को नमन करते हुए युवा। फोटो : हरिभूमि

गुरु तेग बहादुर व छोटूराम को किया याद

बहादुरगढ़। राजकीय महिला महाविद्यालय बहादुरगढ़ में सोमवार को प्राचार्या अलका गुलाटी की अध्यक्षता में गुरु तेग बहादुर का शहादत दिवस तथा दीनबंधु सर छोटूराम की जयंती के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रिंसिपल अलका गुलाटी ने अपने विस्तृत व्याख्यान में गुरु तेग बहादुर के अद्वितीय एवं अतुलनीय बलिदान का अत्यंत मार्मिक एवं हृदयस्पर्शी वर्णन प्रस्तुत किया। गुरु तेग बहादुर ने धर्म, सत्य, मानवता और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए अपने प्राणों का समर्पण किया। उन्होंने दीनबंधु सर छोटूराम के व्यक्तित्व एवं कार्यों पर भी विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सर छोटूराम ने किसानों, मजदूरों और ग्रामीण समाज के उत्थान के लिए ऐतिहासिक योगदान दिया। उनके नेतृत्व, दूरदृष्टि और संघर्ष की प्रेरणादायक गाथाओं को याद किया। उन्होंने छात्राओं से गुरु तेग बहादुर की शिक्षाओं को जीवन में अपनाने तथा सर छोटूराम के आदर्शों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

छात्राओं को गुरु तेग बहादुर व छोटूराम के बारे में बताती प्रिंसिपल अलका गुलाटी।

हवन व माल्यार्पण के साथ दी चौधरी छोटूराम को श्रद्धांजलि

झज्जर। दीनबंधु चौधरी छोटूराम की 144वीं जयंती पर दीनबंधु चौधरी छोटूराम किसान धर्मशाला में हवन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था प्रधान वेद नेहरा की अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम में संस्था के पदाधिकारियों ने चौधरी छोटूराम के जीवन पर प्रकाश डाला और उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर उपप्रधान नरेश भदानी, सचिव रामकिशन, राजवीर, हंसराज, कैलाश, सतपाल, इंद्राज, सत्यप्रकाश, संजय यादव, ओमप्रकाश सुहाग, रमेश जाखड़, जयप्रकाश कादियान सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

छोटूराम किसानों के मसीहा थे

बहादुरगढ़। सोमवार को शहर की छोटूराम धर्मशाला में दीनबंधु सर छोटूराम की जयंती के उपलक्ष्य कार्यक्रम में एडहॉक कमेटी समेत अन्य नागरिकों ने सर छोटूराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उनके दिखाए मार्ग पर आगे बढ़ते रहने का प्रण लिया। रोहतक रोड स्थित धर्मशाला परिसर में पहले हवन का आयोजन किया गया। साथ ही दीनबंधु छोटूराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम में पूर्व प्रधान सज्जन दलाल, सतीश दलाल, वेद प्रकाश ढुल, भूप सिंह जून, हरकिशन छिल्लर, एडवोकेट साहब सिंह दलाल, विजय मास्टर, अनूप दलाल, पार्षद मोहित राठी, कृष्ण पहलवान, जयंत तंवर, सोमबीर, कन्या गुरुकुल की प्रिंसिपल राजन मान व राजबाला बहादुरगढ़ आदि ने किसान मसीहा दीनबंधु सर छोटूराम को नमन किया। वक्ताओं ने बताया कि दीनबंधु ने किसानों की समृद्धि के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाओं को लागू किया। छोटूराम किसान व मजदूर वर्ग के मसीहा थे। उनका योगदान अविस्मरणीय है। सर छोटूराम ने जात-पात, धर्म और सरहद से ऊपर उठकर हर किसान-मजदूर वर्ग की लड़ाई लड़ी। इस अवसर पर मौजूद लोगों ने छोटूराम को जयंती पर नमन करते हुए उनके दिखाए मार्ग पर चलने का प्रण लिया।

एलए स्कूल के छात्र रूपेश ने एमबीबीएस में पाई सफलता

झज्जर। रूपेश व उसके पिता के साथ विजय चिन्ह बनाते हुए शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। एलए स्कूल के विद्यार्थी रूपेश का चयन एमबीबीएस के अंतर्गत मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में हुआ है। स्कूल मैनेजर केएम डागर ने बताया कि रूपेश ने पहले प्रयास में ही यह कीर्तिमान स्थापित कर संस्थान का गौरव बढ़ाया है। इस उपलब्ध पर स्कूल संचालक जगपाल गुलिया, जयदेव दहिया, अनीता गुलिया व नीलम दहिया ने होनहार रूपेश व उसके पिता महिपाल को सम्मानित किया। इस मौके पर रविंद्र लोहचब, पिंकी अहलावत, पुष्पा यादव, सपना अहलावत व भूगोल प्राध्यापक मुकेश शर्मा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

सब इंस्पेक्टर बनने पर छात्र अमन जाखड़ को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

एचडी विद्यालय साल्हावास के पूर्व छात्र अमन जाखड़ ने दिल्ली पुलिस में सब-इंस्पेक्टर बनकर विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। एचडी ग्रुप डायरेक्टर रमेश गुलिया ने बताया कि अमन जाखड़ एक साधारण किसान परिवार से संबंध रखता है। अमन ने वर्ष 2019-20 में विद्यालय से 12वीं पास करने के बाद अपना परिश्रम जारी रखा। उसकी बड़ी बहन निधि जाखड़ भी बैंक में पीओ के पद पर कार्यरत है। कुछ दिन पहले विद्यालय की छात्रा अंजलि का चयन भी दिल्ली में सब-इंस्पेक्टर पद पर हुआ था। इस शानदार उपलब्धि पर एचडी ग्रुप सचिव विशाल नेहरा, हेमंत तथा प्राचार्य सतबीर सिंह ने बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

झज्जर। शिक्षकों के साथ उपस्थित सब-इंस्पेक्टर अमन जाखड़। फोटो : हरिभूमि

सूचना

मैं, बीनू कपूर पत्नी श्री दीपक कुमार रलहन निवासी म. नं. 792/11 गली नं. 2 दयानन्द नगर बहादुरगढ़ जिला झज्जर हरियाणा बयान करती हूँ कि मेरे लड़के के सभी कागजातों में उसका नाम किंशुक रलहन (Kinshuk Relhan) है। अब मैंने अपने लड़के का नाम किंशुक रलहन (Kinshuk Relhan) से बदलकर किंशुक कपूर (Kinshuk Kapoor) कर लिया है। जो सही व दुरूस्त है।

OFFICE OF THE MARKET COMMITTEE BAHADURGARH

PUBLIC NOTICE

It is notified that Shop Plot No. 72 Size 20'X50' at NVM.. Bahadurgarh was originally allotted to Sh. Dinesh Kumar S/o Sh. Gaje Singh R/o H. No. 74 Ward No 08 Bahadurgarh, Distt. Jhajjar vide Allotment order No. 1873 dated 22-06-2020 by way of Reserve Price. The price of plot was Rs. 30,20,000/-Sh. Vikrant Saini S/o Sh. Dinesh Kumar, Sh. Naveen Saini S/o Sh. Dinesh Kumar H. No. 74 Ward No 08 Bahadurgarh, Distt. Jhajjar submitted an application dated 25-08-2025 for Transfer of title of ownership of Shop No. 72 Size 20'X50' situated at NVM, Bahadurgarh in his name consequent upon death of his Father Sh. Dinesh Kumar S/o Sh. Gaje Singh on 31-01-2023, who was the original allottee of the Shop. Now as per the Policy of HSAMB vide Memo No. LA-I-2015/95727-95565 dated 28-09-2015, if any person has any objection either against the Transfer of title of ownership of ibid Shop, then he/she may file an objection in writing with documentary proofs to the undersigned within 30 days from the date of this publication, otherwise title of ownership of Shop No. 72 Size 20'X50' situated at NVM, Bahadurgarh in the name of Sh. Dinesh Kumar S/o Sh. Gaje Singh will be transferred in the name of Sh. Vikrant Saini S/o Sh. Dinesh Kumar, Sh. Naveen Saini S/o Sh. Dinesh Kumar and after the lapse of this notice the undersigned may not be held responsible for the above cited transfer.

Secretary-cum-E.O.. Market Committee, Bahadurgarh.
Bahadurgarh

प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

मदर इंडिया वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मारौत में सोमवार को प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राचार्या संतोष कुमारी ने बताया कि प्रतियोगिता में पहली से बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी आरव, यांशिका, हियांस, रिषभ, जिवेश, तन्मय, तपन, भावेश, खुशी, साहिल, सानिया, रिषिता, निकिता व दीपिका को मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित मदर इंडिया शिक्षा सुधार समिति के निदेशक रामफूल शास्त्री व पवन वशिष्ठ द्वारा फूल माला पहनाकर व प्रोत्साहन राशि देकर पुरस्कृत किया।

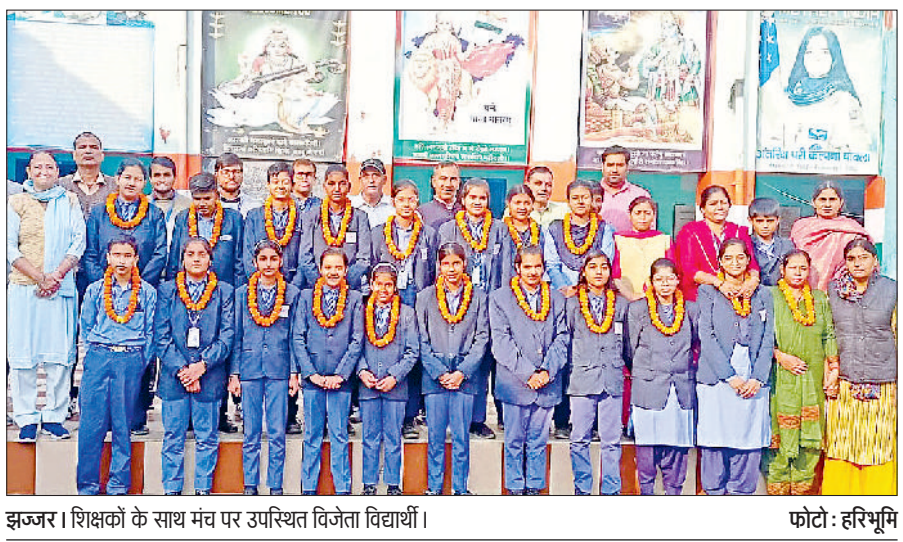

झज्जर। शिक्षकों के साथ मंच पर उपस्थित विजेता विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

समाधान शिविर में नौ शिकायतें हुई दर्ज

झज्जर। जिला प्रशासन द्वारा लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस रूम में आयोजित समाधान शिविर में सोमवार विभिन्न गांवों और शहर क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याओं और शिकायतों की सुनवाई की गई। शिविर में एडीसी जगनिवास ने नागरिकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित विभागों को त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। शिविर में आए लोगों ने परिवार पहचान पत्र में त्रुटि सुधार, पेंशन, बिजली-पानी, सड़क, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और अन्य सरकारी सेवाओं से जुड़ी शिकायतें प्रस्तुत की। शिविर में कुल नौ शिकायतें प्राप्त हुई। एडीसी ने विभागीय अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण का समयबद्ध निपटान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

छात्राओं ने किया शैक्षिक भ्रमण, दमदमा झील की सैर

झज्जर। शैक्षिक भ्रमण के दौरान दमदमा झील परिसर में उपस्थित छात्राएं।

झज्जर। महाराजा अग्रसेन महिला महाविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा छात्राओं को गुरुग्राम स्थित दमदमा झील का भ्रमण करवाया गया। छात्राओं को प्रवासी पक्षी, जैव विविधता और अरावली पर्वत की श्रृंखला से अवगत कराने के उद्देश्य को लेकर आयोजित इस भ्रमण में पीजी कक्षाओं की 47 छात्राओं ने भाग लिया। भूगोल विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. नीलम गर्ग ने बताया कि भ्रमण में शामिल भूगोल विभाग से ममता, प्रीति, नीतू व अंग्रेजी विभाग से जिम्मी ने कहा कि इस प्रकार के भ्रमण विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. चित्रलेखा बंसल ने अपने संबोधन में छात्राओं से कहा कि वे पढ़ाई के साथ-साथ इस प्रकार के कार्यक्रमों में भागीदारी करें।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर निकली पद यात्रा

- राष्ट्रीय एकता, अखंडता और देशभक्ति का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में माय भारत केंद्र द्वारा शहर में भव्य पद यात्रा का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय एकता, अखंडता, एक भारत–श्रेष्ठ भारत और आत्मनिर्भर भारत के संदेश से ओतप्रोत इस पद यात्रा ने पूरे शहर के माहौल को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। कार्यक्रम में डीएमसी डॉक्टर सुशील कुमार एवं सीटीएम नमिता कुमारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

झज्जर। शहर के मुख्य मार्गों से गुजरते हुए पद यात्रा। फोटो : हरिभूमि

सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित

मुख्य अतिथियों ने सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर स्कूलों के विद्यार्थियों द्वारा शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई, जिनमें देशभक्ति गीत और राष्ट्रनिष्ठ झांकियां शामिल रहीं। यात्रा महर्षि दयानंद खेल स्टेडियम से प्रारंभ होकर भगत सिंह चौक, अंबेडकर चौक, बीकानेर चौक एवं पुरानी तहसील मार्ग से होते हुए पुनः स्टेडियम में संपन्न हुई। मार्ग में विभिन्न संगठनों, नागरिकों एवं दुकानदारों ने पुष्प वर्षा और तिरंगे झंडों के साथ पद यात्रा का उत्साहपूर्वक स्वागत किया।

हरिभूमि बम्पर इनामी योजना-2025 के विजेताओं के नाम

तेरहवां पुरस्कार (सांत्वना पुरस्कार) (251 से अन्तिम विजेता तक)

❖ वंतिका सुपुत्री जितेंद्र, बाबा मस्तनाथ नगर, रोहतक ❖ अरविन्द कुमार सिंह पुत्र श्री रामनेवाज सिंह निवासी गिज्जी रोड़, देव नगर, सांपला, रोहतक ❖ दिलबाग सिंह फौगाट, सुपुत्र श्री राममेहर सिंह, विजय नगर, बाग वाली गली, रोहतक ❖ अरविन्द कुमार सिंह सुपुत्र स्व. श्री रामनेवाज सिंह, गिज्जी रोड, देवनगर, सांपला, रोहतक ❖ इंशीका फौगाट पुत्री श्री हरेन्द्र फौगाट निवासी गांव रिठाल फौगाट, जिला रोहतक ❖ अंकुश पुत्र श्री राम कृष्ण लाल निवासी 186/15, पंचकुला ❖ अक्षित पुत्र श्री सुभाष चंद निवासी 2700, जी.एफ /15, पंचकुला ❖ ईशिका सुपुत्री गगनदीप, नजदीक पुराना बस स्टैण्ड, कुम्हारों की गली, भिवानी ❖ प्रीत सुपुत्र सत्यनारायण, पुराना बस स्टैण्ड, भिवानी ❖ धर्मवीर शर्मा सुपुत्र श्री भगवान शर्मा, उत्तम नगर, भिवानी ❖ कार्तिक सुपुत्र श्री विरेन्द्र, पुराना बस स्टैण्ड, भिवानी ❖ राशि सुपुत्री श्री रविन्द्र, पुराना बस स्टैण्ड, भिवानी ❖ कनिका सुपुत्री श्री धीरेन्द्र, गुजरो की ढाणी, भिवानी ❖ इशीका फौगाट सुपुत्री श्री हरेन्द्र फौगाट, गांव रिठाल फौगाट, रोहतक ❖ रविन्द्र सुपुत्र श्री महेन्द्र सिंह, बीपीओ लुहकवास, रोहतक ❖ सुनील कुमार सुपुत्र श्री नन्दलाल, नजदीक राणा धीर मन्दिर, भुना, फतेहाबाद ❖ श्रीरामबिलास बंसल सुपुत्र श्री कन्हैया लाल रामबिलास किरयाना हिसार, भूना, फतेहाबाद ❖ हर्षिता सुपुत्री श्री कमलजीत बास बादशाहपुर बास हिसार ❖ अर्जुन सिंह सुपुत्र श्री लाजे राम बास बादशाहपुर, हांसी, हिसार ❖ शिवकुमार सुपुत्र श्री फतेह सिंह, बास, आजमशाहपुर, बास, हिसार ❖ राजेन्द्र सिंह सुपुत्र श्री रामकिशन, खाण्डा खेड़ी, हांसी, हिसार ❖ विनीत सुपुत्र श्री कमलजीत बास बादशाहपुर बास, हिसार ❖ तेलु राम सुपुत्र श्री राम स्वरूप, बास, आजम शाहपुर, बास, हिसार ❖ राजसिंह सुपुत्र श्री चन्दर सिंह, नगली गोधा, जिला रेवाड़ी, हरियाणा ❖ रणसिंह, मार्डन हेयर ड्रेसर सुपुत्र श्री मदन लाल मोहनपुर नागल, रसुलपुर, कनीना, महेन्द्रगढ़ ❖ सुरेश कुमार सुपुत्र श्री मुसडी लाल गांव बुयावास, झगडोली, महेन्द्रगढ़ ❖ रामानन्द यादव सुपुत्र श्री सिंहराम, गांव बचीनी, महेन्द्रगढ़ ❖ श्री जगराम सुपुत्र श्री सोहनलाल यादव, गांव सिहोर, कनीना, महेन्द्रगढ़

आवश्यक सूचना :

1. सभी पुरस्कारों का वितरण 1 दिसम्बर 2025 से किया जाएगा।
2. पुरस्कार संख्या 1 से 3 तक के विजेताओं को हरिभूमि मुख्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, रोहतक से पुरस्कार प्राप्त हो सकेंगे।
3. पुरस्कार संख्या 4 से 13 उपहार के विजेताओं को संबंधित हरिभूमि कार्यालय अभिकर्ता से पुरस्कार प्राप्त हो सकेंगे।
4. यदि किसी भी पुरस्कार पर सरकार के नियमानुसार टी.डी.एस. लागू होगा तो विजेता को लागू टी.डी.एस. की राशि हरिभूमि कार्यालय में एडवांस में जमा करनी होगी।
5. पुरस्कार प्राप्त करने के लिए आपको अपने साथ पुरस्कार विजेता की फोटो आईडी की फोटो प्रति जमा करनी होगी। मूल प्रति को मिलान हेतू साथ में लाना अनिवार्य है।
6. अधिक जानकारी के लिए आप निम्न नम्बरों पर हरिभूमि प्रसार विभाग में प्रात: 11.00 से सायं 4.00 बजे तक सम्पर्क कर सकते हैं :- फोन : 9253681019-20

- कार्यालय पता -

बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

कैडेट्स ने अपने बेहतरीन परेड प्रदर्शन और सटीक ड्रिल से उपस्थित दर्शकों का मन मोहा

कैडेट्सर को दी एनसीसी के गौरवशाली इतिहास की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

संस्कारम पब्लिक स्कूल खातीवास में राष्ट्रीय कैडेट कोर का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। स्कूल के एनसीसी कैडेट्स ने विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी प्रतिबद्धता और प्रशिक्षण का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत संस्कारम समूह के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने ध्वजारोहण व एनसीसी ध्वज को गर्वपूर्ण सलामी देकर की। इसके उपरांत कैडेट्स ने अपने बेहतरीन परेड प्रदर्शन और सटीक ड्रिल से उपस्थित दर्शकों का मन मोहा। कैडेट्स द्वारा प्रस्तुत किए गए जोशपूर्ण एनसीसी गीत ने परिसर में देशभक्ति का माहौल भर दिया। स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में कैडेट्स ने केवल सैन्य अनुशासन का प्रदर्शन किया बल्कि सामाजिक जागरुकता से जुड़े स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण और सड़क सुरक्षा रैली जैसे कार्यक्रमों का आयोजन भी किया। एनसीसी के कार्यवाहक अधिकारी मनीष योगी ने एनसीसी के गौरवशाली इतिहास, इसके महत्वपूर्ण उद्देश्यों और युवाओं के समग्र व्यक्तित्व विकास में इसकी निर्णायक भूमिका पर विस्तृत प्रकाश डाला। कार्यक्रम में चेयरमैन डॉ. महिपाल ने गणतंत्र दिवस कैंप व थल सेना कैंप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एनसीसी कैडेट्सस को सम्मानित किया। एनसीसी वास्तव में राष्ट्र निर्माण की सबसे अनुशासित युवा शक्ति है और उन्हें देश की सेवा के लिए हमेशा तैयार और समर्पित रहना चाहिए।

झज्जर। चेयरमैन डॉ. महिपाल के साथ मंच पर उपस्थित एनसीसी कैडेट्सव।

अनुशासन व सामाजिक सेवा का संदेश दिया

झज्जर। तक्षशिला विद्यापीठ विद्यालय बेरी में एनसीसी स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य नसीब अहलावत की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स ने विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से देशभक्ति, अनुशासन और सामाजिक सेवा का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान एनसीसी कैडेट्स ने परेड प्रदर्शन, ड्रिल और एनसीसी गीत की प्रस्तुति दी। प्राचार्य नसीब अहलावत ने अपने संबोधन में कहा कि एनसीसी राष्ट्र निर्माण की सबसे अनुशासित युवा शक्ति है। एनसीसी कैडेट्से को देश सेवा के लिए सदैव तैयार रहना चाहिए। एनसीसी के कार्यवाहक अधिकारी बिजेंद्र ने बताया कि कैडेट्से द्वारा स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, रोड सेफ्टी रैली जैसे सामाजिक संदेश देने वाली गतिविधियों का आयोजन भी किया।

खबर संक्षेप

ग्रामीणों को दिया नशा मुक्ति का संदेश

बहादुरगढ़। पुलिस कमिश्नर डॉ. राजश्री सिंह के निर्देशन में झज्जर पुलिस द्वारा नशा विरोधी जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में एसीपी दिनेश कुमार ने गांव गंगड़वा में ग्रामीणों के साथ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर नशे के दुष्प्रभावों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। एसीपी दिनेश कुमार ने कहा कि नशा आज की युवा पीढ़ी के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। नशे की लत जहां शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बर्बाद करती है, वहीं परिवारिक व सामाजिक जीवन भी इससे प्रभावित होता है। उन्होंने कहा कि नशे का अवैध कारोबार समाज को भीतर से खोखला कर रहा है।

जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की बैठक 27 को

झज्जर। जिले में नागरिकों की शिकायतों के शीघ्र एवं स्थायी निपटान के उद्देश्य से गठित जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की बैठक आगामी 27 नवंबर को लघु सचिवालय स्थित संवाद भवन में आयोजित की जाएगी। बैठक का आरंभ दोपहर दो बजे होगा। जिसकी अध्यक्षता कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा करेंगे। सीटीएम नमिता कुमारी ने बताया कि बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित परिवादों को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है।

एथेनॉल गैस प्लांट का शिलान्यास कार्यक्रम रद्द

झज्जर। क्षेत्र के गांव गोरिया में एथेनॉल प्लांट के विरोध में ग्रामीण एकजुट है। जिसके कारण सोमवार को एथेनॉल गैस प्लांट के शिलान्यास कार्यक्रम आनन फानन में रद्द किया गया। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी द्वारा प्लांट का शिलान्यास किया जाना था। ग्रामीणों का कहना है कि यह केवल प्लांट का विरोध नहीं है, बल्कि पर्यावरण, कृषि और भविष्य की पीढ़ियों की सुरक्षा का सवाल है।

अधिकारियों द्वारा बिना तथ्यों की पुष्टि के अनुचित कार्रवाई की गई

पक्षपाती जांच और रोके गए वेतन के विरोध में कनिष्ठ अभियंता अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

आधारहीन चार्जशीट, पक्षपाती जांच व रोके गए वेतन के विरोध में सिंचाई विभाग के कनिष्ठ अभियंताओं द्वारा अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की है। जिला प्रधान जितेंद्र ने बताया कि बीते अगस्त माह में डिप्लोमा इंजीनियर एसोसिएशन के जनरल सैक्रेटरी संदीप गुलिया, उपप्रधान मंदीप, सिंचाई विभाग ब्रांच सैक्रेटरी बहादुर सिंह आदि कनिष्ठ अभियंता व सिंचाई विभाग के मुख्य उच्च अधिकारियों के साथ हुई मीटिंग में सहमति बिंदुओं पर हस्ताक्षर हुए थे लेकिन इसके बावजूद अधिकारियों द्वारा बिना तथ्यों की पुष्टि के अनुचित कार्रवाई की गई। इस नकारात्मक कार्रवाई से इंजीनियरिंग स्टॉफ का मनोबल टूटा है। ब्रांच सेक्रेटरी जेई बहादुर सिंह ने कहा कि जब तक सभी अवैध चार्जशीट वापस नहीं ली जातीं, रोका गया वेतन जारी नहीं किया जाता तथा निष्पक्ष उच्च-स्तरीय जांच सुनिश्चित नहीं होती, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। सेवाओं में व्यवधान की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों की होगी। इस दौरान अमित मेहरा, मंदीप मलिक, जसवंत, त्रिलोक, अमित सिंघल, विजय, प्रवीण, अमित, राहुल, अजय, जयदीप, कपिल, जलदीप सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे कनिष्ठ अभियंता।

हड़ताल के दौरान रखी मांगें

- सभी अवैध चार्जशीटों की वापसी।
- रोका गया वेतन तुरंत जारी किया जाए।
- निष्पक्ष उच्च-स्तरीय जांच कराई जाए।
- मांगें पूरी होने तक अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रहेगी।

सेवाओं पर संभावित प्रभाव

- हड़ताल के कारण सिंचाई विभाग की कई महत्वपूर्ण सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।
- इंजीनियरों ने चेतावनी दी कि किसी भी व्यवधान के लिए संबंधित अधिकारी जिम्मेदार होंगे।

स्थानीय नेतृत्व की प्रतिक्रिया**

- जिला प्रधान जितेंद्र ने कार्रवाई को नकारात्मक और अव्यवहारिक बताया।
- ब्रांच सेक्रेटरी बहादुर सिंह ने कहा कि इंजीनियरों के आत्मसम्मान व अधिकारों को अनुचित तरीके से ठेस पहुंचाई। हड़ताल में अमित मेहरा, मंदीप मलिक, जसवंत, त्रिलोक, अमित सिंघल, विजय, प्रवीण, अमित, राहुल, अजय, जयदीप, कपिल, जलदीप आदि सहित कई कनिष्ठ अभियंता हड़ताल स्थल पर मौजूद रहे।

अगस्त माह की बैठक का संदर्भ

- डिप्लोमा इंजीनियर एसो. और विभागीय उच्च अधिकारियों के बीच अगस्त में बैठक हुई थी।
- बैठक में कई सहमति बिंदुओं पर हस्ताक्षर किए थे।
- इंजीनियरों का आरोप है कि अधिकारी उन सहमति बिंदुओं को लागू करने में विफल रहे।

सीजेआई के शपथ लेने पर वकीलों ने बांटे लड्डू

बहादुरगढ़। सीजेआई के शपथ लेने पर कोर्ट कॉम्पलेक्स में मिठाई बांटते अधिवक्ता।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

हरियाणा के मूल निवासी जस्टिस सूर्यकांत द्वारा देश के मुख्य न्यायधीश की शपथ लेने पर बहादुरगढ़ न्यायालय परिसर में अधिवक्तों ने मिठाई बांटकर अपनी खुशी का इजहार किया। एडवाकेट विक्रम सिंह छिल्लर समेत अन्य वकीलों ने इसे हरियाणा के लिए गौरव का क्षण करार दिया।

पूर्व प्रधान सतीश छिकारा, अधिवक्ता संजय शर्मा, विक्रम छिल्लर, संजय गुलिया, संदीप सोलंकी, उमेद सिंह दहिया, देव कौशिक, मनोज बिरला, उमेद सिंह, सुनील शर्मा, अशोक अहलावत, सुमित देशवाल, सुखबीर सुहाग, साहिल, तुषार, विनोद कौशिक आदि वकीलों ने अदालत परिसर में लड्डू बांटे। उन्होंने बताया कि न्यायाधीश सूर्यकांत ने हरियाणा के महाधिवक्ता के रूप में भी कार्य किया था। उन्होंने सोमवार को भारत के 53वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। उनके शपथ ग्रहण में भूटान, केन्या, मलेशिया, मॉरिशस, नेपाल और श्रीलंका के मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के जज शामिल हुए।

एसडीएम ने सुनी शिविर में नागरिकों की समस्याएं

बेरी। नागरिकों की समस्याओं के शीघ्र समाधान के उद्देश्य से सोमवार को उपमंडल स्तरीय समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता एसडीएम रेणुका नांदल ने की। उन्होंने आमजन की शिकायतें सुनकर संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। समाधान शिविर में बिजली, पानी, सड़क, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राजस्व संबंधी मामले, अवैध कब्जे, वृद्धावस्था पेंशन तथा परिवार पहचान पत्र जैसी योजनाओं से जुड़ी शिकायतें आई। एसडीएम ने कहा कि समाधान शिविरों के माध्यम से जनता की शिकायतें सीधे सुनी जा रही हैं, जिससे प्रशासन और जनता के बीच संवाद मजबूत हुआ है।

किशोरावस्था व यौवन परिवर्तन पर किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

मेडार्क हॉस्पिटल द्वारा समुदाय के स्वस्थ भविष्य को ध्यान में रखते हुए किशोर स्वास्थ्य जागरूकता की एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की गई है। इसी क्रम में केआ मंगलम वर्ल्ड स्कूल में छठी से 11वीं कक्षा तक के बालकों के लिए किशोर अवस्था व यौवन परिवर्तन पर जागरुकता सेमिनार किया गया।

कंसल्टेंट डॉ. धमेंद्र राठी ने मुख्य वक्ता के रूप में विद्यार्थियों को किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक परिवर्तनों को वैज्ञानिक तरीके से समझाया। साथ ही सही पोषण, व्यक्तिगत स्वच्छता, स्क्रीन टाइम नियंत्रण, खेलकूद, आत्मविश्वास बढ़ाने और सुरक्षित व्यवहार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर बच्चों को प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि मेडार्क हॉस्पिटल लगातार स्कूलों और समाज में इस तरह की स्वास्थ्य शिक्षा गतिविधियां आयोजित कर रहा है। ताकि बच्चे और अभिभावक समय पर सही जानकारी प्राप्त कर सकें और उनसे संबंधित किसी भी भ्रम या झिझक को दूर किया जा सके। सेमिनार के दौरान विद्यार्थियों ने प्रश्न भी पूछे, जिनका समाधान डॉ. राठी ने सरल और सकारात्मक तरीके से किया। हॉस्पिटल द्वारा छात्रों को स्वास्थ्य मार्गदर्शन के साथ हेल्थ अवेयरनेस सामग्री भी प्रदान की गई।

बहादुरगढ़। केआरएम स्कूल में विद्यार्थियों को जागरुक करते डॉ. धमेंद्र राठी।

पहली महिला एथलेटिक्स लीग 30 को

बहादुरगढ़। जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन झज्जर द्वारा रविवार 30 नवंबर को गांव सराय औरंगाबाद में प्रथम महिला एथलेटिक्स लीग का आयोजन किया जाएगा। लीग में अंडर-14 व अंडर-16 आयुवर्ग की लड़कियां भाग लेंगी। एसोसिएशन के जिला सचिव चरण सिंह राठी ने बताया कि दक्षिण एशियाई एथलेटिक्स फेडरेशन के अध्यक्ष डॉ. ललित भनोट के पदचिह्नों पर चलते हुए एथलेटिक्स फैडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा खेलों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए महिला एथलेटिक्स लीग का आयोजन पूरे देश में किया जाएगा। राठी ने बताया कि 30 नवंबर की सुबह 10 बजे से गांव सराय औरंगाबाद के खेल मैदान पर महिला एथलेटिक्स लीग का आयोजन होगा।

डॉ. ज्योति गोदारा बनी महिला विंग की अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन में जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया। सेक्टर-6 स्थित सुमन सिटी में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर अश्विनी गौतम मुख्याथिति के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने भगवान धनवंतरि की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए नमन किया। कार्यक्रम में चेस्ट स्पेशलिस्ट डॉक्टर कुलदीप गुलिया द्वारा ब्रोंकोस्कोपी व डॉक्टर दिनेश खत्री द्वारा क्षार सूत्र पर प्रेजेंटेशन दी गई। प्रदेशाध्यक्ष द्वारा घोषित कार्यकारिणी में डॉक्टर नरेश दलाल को जिलाध्यक्ष, डॉक्टर पवन राज्याण को उपप्रधान, डॉक्टर रवि गोदारा को सचिव, डॉक्टर राजेश सिंगला को कोषाध्यक्ष, डॉक्टर विजय कंकरवाल को सह सचिव तथा डॉक्टर ज्योति गोदारा को महिला विंग की अध्यक्षा की जिम्मेवारी सौंपी गई। इस मौके पर सचिव डॉक्टर दिनेश खत्री, डॉक्टर पवन वशिष्ठ, डॉक्टर रविंद्र धनखड़, डॉक्टर वसुधा धनखड़, डॉक्टर नरेश शर्मा, डॉक्टर नंद किशोर सरदाना, डॉक्टर विजयपाल, डॉक्टर ज्योति दलाल, डॉक्टर बिंदिया गोदारा, डॉक्टर विजयपाल, डॉक्टर वीरेंद्र धनखड़, डॉक्टर सुनील सैनी, डॉक्टर जितेंद्र सुहाग, डॉक्टर ओमप्रकाश राठी, डॉक्टर दिनेश, डॉक्टर रविंद्र मलिक, डॉक्टर पवन कुमार, डॉक्टर कुलदीप गुलिया, डॉक्टर मनीष शर्मा, डॉक्टर अरुण सैनी, डॉक्टर सचिन जाखड़, डॉक्टर दीक्षु आर्य, डॉक्टर बलजीत सिंह आदि रहे।

झज्जर। कार्यक्रम में उपस्थित नवनियुक्त पदाधिकारी।

सांसद के जन्मदिन पर किया पौधरोपण

बहादुरगढ़। सांसद धर्मबीर सिंह के 71वें जन्मदिवस के अवसर पर हरियाणा स्विमिंग एसोसिएशन ने प्रदेश के सभी जिलों में पौधरोपण अभियान चलाया। एसोसिएशन महासचिव अनिल खत्री ने भी बहादुरगढ़ की एचएल सिटी में स्थित एक्वेटिक चैंपियंस अकेडमी के परिसर में 71 पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि सांसद धर्मबीर सिंह हरियाणा स्विमिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष हैं।

बहादुरगढ़। ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच करती अस्पताल की टीम।

210 ग्रामीणों का स्वास्थ्य जांचा

बहादुरगढ़। नूना माजरा स्थित महाराजा अग्रसेन सत नारायण गुप्ता अस्पताल ने उडान सेवा समिति के सहयोग से ग्राम सचिवालय में एक निःशुल्क मेगा हेल्थ चेक-अप कैंप का आयोजन किया। कैंप में 210 ग्रामीणों ने अपनी स्वास्थ्य जांच करवाई। शिविर में आए ग्रामीणों की बीपी, शुगर, ब्लड टेस्ट, ईसीजी आदि जांच की गई। नेत्र, हड्डियों, बच्चों व स्त्री रोग विभाग के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके स्वास्थ्य की विस्तृत जांच की। मरीजों को अस्पताल की ओर से मुफ्त दवाइयां उपलब्ध करवाई गईं।

शिविर में 16 युवाओं ने किया रक्तदान

झज्जर। क्षेत्र के गांव चमनपुरा स्थित मंदिर वाली चौपाल में सोमवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जन शक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट, रेड क्रॉस सोसायटी, इंडेप्थ विजन फाउंडेशन और सेवा ट्रस्ट यूके इंडिया के सहयोग से आयोजित इस रक्तदान शिविर में कुल 16 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर में सरपंच अजीत व कर्मबीर महराणा ने विशेष रूप से शिरकत करते हुए कहा कि रक्तदान श्रेष्ठ सेवा है जो लोगों का जीवन बचा सकती है। इस मौके पर यशपाल, मुकेश यादव, अंकित यादव, तोते देवी, रोहतास शर्मा, संजय यादव, क्लब सदस्य नवीन, अनिल, अजय, साहिल, राजकुमार, अंकित, रविंद्र, नवीन यादव, मनीष, मयूर, मोहित, सुधीर, अमित, रामानंद ढलाल, संजय यादव आदि मौजूद रहे।

स्वयंसेविकाओं ने स्लोगन बनाकर दी श्रद्धांजलि

बहादुरगढ़। वैश्य आर्य शिक्षा महिला महाविद्यालय में सोमवार को वाईआरसी इकाई ने गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान दिवस को अत्यंत श्रद्धा एवं प्रेरणा के साथ मनाया। छात्राओं द्वारा स्लोगन लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें छात्राओं ने गुरु तेग बहादुर जी के अद्वितीय शौर्य, सत्य एवं स्वतंत्रता के लिए दिए गए सर्वोच्च बलिदान को प्रभावशाली शब्दों में अभिव्यक्त किया। प्रस्तुत स्लोगनों में मानव अधिकारों, स्वतंत्रता एवं निडरता के संदेश प्रमुखता से झलके, जिन्होंने पूरे वातावरण को प्रेरणा और देशभक्ति से भर दिया।

छात्रों को इंटरनेट सुरक्षा के प्रति जागरूक किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

इंटरनेट के बढ़ते प्रयोग के साथ डिजिटल ठगी व अन्य वारदातें भी बढ़ने लगी हैं। इसे देखते हुए पुलिस की ओर से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में पुलिस की ओर से सोमवार को गोल्डन वैली सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कार्यक्रम किया गया।

कार्यक्रम में निरीक्षक सतीश कुमार ने छात्राओं को इंटरनेट और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म पढ़ाई और करियर निर्माण के लिए अत्यंत उपयोगी हैं, लेकिन थोड़ी सी लापरवाही बड़ा नुकसान पहुँचा सकती है। निरीक्षक सतीश कुमार ने छात्राओं को सलाह दी कि इंटरनेट पर किसी भी जानकारी को साझा करने से पहले उसकी सत्यता अवश्य जांचें और अफवाह या फेक न्यूज़ फैलाने से बचें। उन्होंने व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा पर विशेष बल देते हुए मजबूत पासवर्ड उपयोग करने, संदिग्ध लिंक व अनजान लोगों की रिक्वेस्ट स्वीकार न करने की बात कही।

कार्यक्रम में उपस्थित छात्राओं को महिला हेल्पलाइन, चाइल्ड लाइन और साइबर फ्रॉड हेल्पलाइन जैसे आपातकालीन नंबरों की भी जानकारी दी गई।

बहादुरगढ़। विद्यार्थियों को जागरूक करते इंस्पेक्टर सतीश कुमार।

बहादुरगढ़। विजेता बालिका पहलवानों को आशीर्वाद देते आयोजक।

दो छात्राएं राष्ट्रीय खेल स्पर्धा के लिए चयनित

बहादुरगढ़। शहर की एचएल सिटी में स्थित जीडी गोयंका पब्लिक स्कूल की दो प्रतिभाशाली बालिका पहलवानों ने एसजीएफआई स्कूल राष्ट्रीय खेल में अपना स्थान पक्का कर इतिहास रच दिया है। स्कूल चेयरपर्सन शैलजा जून ने दोनों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे विजेता साहस, अनुशासन और अटूट इच्छाशक्ति से तैयार होते हैं। बता दें कि 23 नवंबर को पानीपत में आयोजित चयन ट्रायल्स के दौरान अंडर-14 आयुवर्ग श्रेणी में भाग लेते हुए आठवीं कक्षा की मान्वी और पांचवीं की तन्वी ने अद्भुत कौशल, शक्ति और दृढ़ता का प्रदर्शन करते हुए नेशनल के लिए अपनी जगह सुनिश्चित की। एसजीएफआई स्कूल राष्ट्रीय खेल स्पर्धा का आयोजन 10 से 15 जनवरी तक नई दिल्ली में किया जाएगा। जीडी गोयंका स्कूल की मान्वी और तन्वी राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने जा रही हैं

छात्राओं ने स्वागत गीत गाने के बाद अन्य कार्यक्रम प्रस्तुत किए

कन्या गुरुकुल में मनाया गया सेवानिवृत्ति समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

कन्या गुरुकुल लोवा कलां की पूर्व स्नातिका बहन आर्या करुणा सहरावत ने 40 वर्ष तक बतौर संस्कृत अध्यापिका के लंबी सेवा देने के बाद अपना सेवानिवृत्ति समारोह कन्या गुरुकुल लोवा कलां में मनाया। बहन करुणा आर्या ने गुरुकुल को अपनी तरफ से 51 हजार रुपए की नकद राशि दान स्वरूप भेंट की। सोमवार प्रातः यज्ञ के साथ कार्यक्रम आरंभ हुआ। गुरुकुल की छात्राओं ने स्वागत गीत गाने के बाद अन्य कार्यक्रम प्रस्तुत किए। आर्य प्रतिनिधि सभा जिला झज्जर के प्रधान आर्य हरिओउम दलाल ने बताया कि गांव नानकहेडी दिल्ली में जन्मी करुणा ने प्रथम कक्षा से शास्त्री तक की सारी शिक्षा कन्या गुरुकुल लोवा कलां से ग्रहण की। इसके बाद उन्होंने हरियाणा में टीजीटी संस्कृत के पद पर 40 वर्ष तक कार्य किया और हाल ही में गुरुग्राम के डूंडाहेडा से सेवानिवृत्ति प्राप्त की। अपनी आर्य समाज और गुरुकुल की पृष्ठभूमि से प्रभावित होने के कारण बहन करुणा आर्या ने सेवानिवृत्ति के बाद अपना यह समारोह कन्या गुरुकुल में मनाया। कार्यक्रम में महिपालपुर निवासी उनके पति विरेंद्र सहरावत समेत पूरा परिवार उपस्थित रहा। परिवार की ओर से कन्या गुरुकुल की छात्राओं के लिए भंडारे के रूप में भोजन का आयोजन भी किया गया। गुरुकुल प्राचार्या डॉ. राजन मान, आचार्या विद्यावती, आचार्या मूर्ति, आचार्या प्रीति समेत सभी छात्राओं ने करुणा आर्या को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

बहादुरगढ़। हवन में आहूति डालती करुणा आर्या व उनके परिजन।